INDEX

CANDIDATE'S DECLARATION I

CERTIFICATE BY THE GUIDE II

ACKNOWLEDGEMENT III

प्रथम अध्याय___विषय परिचय 2

1.1 भारतीय संगीत के प्रकार.....2

1. 1. 1 शास्त्रीय संगीत 2

1. 1. 2 मुक्त संगीत.....3

1.1.3 उपशास्त्रीय संगीत 3

1. 2 उपशास्त्रीय विधा ठुमरी 4

1.2.1 बोल-बाँट ठुमरी.....6

1.2.2 बोल-बनाव ठुमरी.....7

1. 2. 2.1 पूरब अंग.....7

1.2.2.2 पंजाब अंग.....8

1.3 'लोक' एवं 'लोकतत्व' 9

1.4 भारतीय संस्कृति के सन्दर्भ में लोक संगीत तथा उसके आधार पर निर्धारित 'लोक तत्व'.....13

1.5 लोक-संगीत की कुछ विशेषताएँ 15

1.6 भारतीय संगीत के सन्दर्भ में 'लोक तत्व' 18

1.7 शोध कार्य का उद्देश्य 18

1.8 शोध कार्य का परिसीमन 19

1.9 मर्यादाएँ.....19

द्वितीय अध्याय ठुमरी की उत्पत्ति, विकास एवं वर्तमान स्थिति 22

2.1 ठुमरी की उत्पत्ति 22

2.1.1 अवध के नवाब वाजिद अली शाह से संबंधित मत 22

2.1.2 राजा मानसिंह तोमर से सम्बंधित मान्यता 23

2.1.3 उस्ताद सादिक अली खाँ से सम्बन्धित मत 24

2.1.4 ग़ुलाम नबी – शौरी मियाँ से सम्बन्धित मत.....25

2.1.5 श्री शत्रुघ्न शुक्ल जी का मत 27

2.1.5.1 'चर्चरी' और 'ठुमरी' का तुलनात्मक विवेचन 28

2.1.6 श्री पीटर मैन्युअल जी का मत.....31

2.1.7 शोधार्थी का मत.....32

2.2 ठुमरी का विकास 33

2.2.1 ठुमरी की प्रारंभिक अवस्था.....33

2.2.2 ठुमरी का 'अवध' के दरबार में प्रवेश और 'बोल-बाँट ठुमरी' का उदय 33

2.2.2.1 उस्ताद सादिक़ अली खाँ (ई. स. 1800-ई. स. 1910) 34

2.2.3 कथक और ठुमरी 35

2.2.4 'बोल-बाँट'/ 'लखनऊ' ठुमरी का विकास, लोकप्रियता 35

2.2.4.1 नवाब वाजिद अली शाह (ई. स. 1822- ई. स. 1887) 36

2.2.5 कथक के महत्वपूर्ण कलाकार 37

2.2.5.1 बिंदादीन महाराज (ई. स. 1836- ई. स. 1917) 37

2.2.6 ठुमरी का संक्रमणकाल: 'बोल-बाँट' ठुमरी का गानविधा के रूप में क्षय, नृत्य से पूर्ण रूप से स्वतंत्रता 38

2.2.6.1 भैया गणपत राव (ई. स. 1852- ई.स. 1920).....40

2.2.6.2 जगदीप मिश्र.....41

2.2.6.3 मौजुद्दीन खाँ 41

2.2.7 आधुनिक परिपक्व बनारस ठुमरी / बोल-बनाव ठुमरी 42

2.2.7.1 पूरब अंग ठुमरी 43

बनारस परम्परा के कुछ प्रसिद्ध कलाकार 44

2.2.7.1.1 बड़े रामदास जी (ई. स. 1876- ई. स. 1960) 44

2.2.7.1.2 विदुषी श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी (ई. स. 1908- ई.स. 1977).....44

2.2.7.1.3 विदूषी श्रीमती गिरिजा देवी (8 मई,19 29 - 24 अक्टूबर,20 17).....45

2.2.7.2 ख्याल परंपरा के ठुमरी प्रस्तुतकर्ता.....47

2.2.7.2.1 उ. अब्दुल करीम खाँ 47

2.2.7.2.2 उ. फैयाज़ खाँ 48

2.2.7.3 पंजाब अंग.....49

2.3 ठुमरी की प्रवर्तमान स्थिति.....51

2.3.1 ठुमरी की प्रत्यक्ष गानक्रिया- साधारण रूपरेखा: 52

2.3.2 बोल-बाँट की ठुमरी / पछाहीं ठुमरी / बंदिश ठुमरी : 53

2.3.3 बोल बनाव की ठुमरी/ पूरब अंग की ठुमरी 57

2.4 रस के भरे तोरे नैन: एक तुलनात्मक अध्ययन 64

तृतीय अध्याय ठुमरी विधा के अंतर्गत लोक संगीत के प्रकार 76

3.1 चैती.....76

3.1.1 चैतियों के प्रकार 77

3.1.1.1 चैता 77

3.1.1.2 चैती 78

3.1.1.3 घाटों 84

3.2 होली.....84

वर्षा ऋतू से सम्बंधित लोक गीत 93

3.3 कजरी/ कजली.....94

3.4 झूला 105

3.5 सावन/सावनी.....110

चतुर्थ अध्याय ठुमरी में राग एवं ताल.....115

4.1 ठुमरी में राग 115

4.1.1 'राग' क्या है ?.....115

4.1.2 राग के विषय में कुछ पारिभाषिक शब्द- थाट, आरोह, अवरोह, पकड़, जाति, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्ज्य/वर्जित.....118

4.1.3 ठुमरी विधा के गीतों में प्रयुक्त राग और उनकी स्थिति.....121

4.1.3.1 ठुमरी विधा के प्रकारों के लिए कौनसे राग प्रयुक्त होते हैं ?.....121

4.1.3.2 प्रकाशित ठुमरी रचनाओं की सूची के अनुसार राग और उनमें रचना की संख्या का कोष्टक ...122

4.1.3.3 संग्रहित ठुमरी रिकॉर्डिंग के आधार पर राग और उनमें रचनाओं की संख्या का कोष्टक 124

ठुमरी में रागों की स्थिति 125

4.1.3.4 रागों की शुद्ध एवं मिश्र स्थिति.....126

ठुमरी की प्रकाशित रचनाओं के संग्रह में राग की स्थिति के आंकड़े 126

ठुमरी की प्रस्तुतिओं के रिकॉर्डिंग के संग्रह में राग की स्थिति के आंकड़े 126

4.1.3.5 मूल रागों के वर्गों में रचनाओं की संख्या 127

ठुमरी की प्रकाशित रचनाओं के संग्रह में राग-वर्ग में रचना के आंकड़े.....128

ठुमरी की प्रस्तुतिओं के रिकॉर्डिंग के संग्रह में रागों के वर्गों के आंकड़े.....129

4.2 ठुमरी में लय और ताल.....130

4.2.1 लय और ताल.....130

4.2.2 ताल के विषय में कुछ पारिभाषिक शब्द- मात्रा, खंड, सम, भरी, खाली, जाती, ठेका 132

4.2.2 ठुमरी शैली में व्यवहृत ताल.....134

4.2.3 ठुमरी विधा में सामान्य रूप से प्रयुक्त कुछ तालों का विवरण 134

4.2.4 प्रकाशित ठुमरी की पुस्तकों में विविध ताल में रचनाओं की संख्या:.....138

4.2.6 'लग्गी' / 'लड़ी' विभाग का प्रस्तुतिकरण.....141

पंचम अध्याय	ठुमरी विधा के अंतर्गत साहित्य	144
5.1	ठुमरी के गीतों/ पदों की संरचना	144
5.2	ठुमरी की भाषा	146
5.3	विविध भाषाओँ में ठुमरी के काव्य के उदाहरण	149
5.3.1	ब्रजभाषा	149
5.3.2	खड़ी बोली	149
5.3.3	अवधी	150
5.3.4	भोजपुरी	151
5.3.5	उर्दू मिश्रित बोली	152
5.3.6	राजस्थानी	152
5.3.7	पंजाबी बोली का प्रभाव	153
5.4	ठुमरी विधा के गीतों की विषयवस्तु	153
5.5	ठुमरी की रचनाओं में वर्णित विविध विषय	157
5.5.1	कृष्णलीला/ कृष्णभक्ति	157
5.5.2	सामान्य नायक-नायिका के मनोभाव	159
5.5.2.1	सामान्य नारी- नायिका के मनोभाव	160
5.5.2.1.1	वासकसज्जा नायिका	161
5.5.2.1.2	विरहोत्कांठिता नायिका	162
5.5.2.1.3	स्वाधीनपतिका नायिका	165

5.5.2.1.4 कलहांतरिता नायिका.....165
5.5.2.1.5 खंडिता नायिका 166
5.5.2.1.6 विप्रलब्धा नायिका 167
5.5.2.1.7 प्रोषितपतिका नायिका 168
5.5.2.1.8 अभिसारिका नायिका.....169
5.5.2.2 सामान्य नर-नायक के मनोभाव 170
नायिका के रूप या वर्तन आदि का वर्णन 171
5.5.2.3 होली 171
ऋतू विषयक वर्णन.....172
5.5.2.4 वर्षा वर्णन 172
5.5.2.5 वसंत वर्णन 173
5.5.2.6 आध्यात्मिक गूढार्थ 173
5.6 संत कवियों के पदों का ठुमरी में आविष्कार.....174
5.6.1 संत कबीर.....174
5.6.2 मीराबाई.....174
षष्ठम अध्याय उपसंहार 178
परिशिष्ट 1 विविध कलाकारों द्वारा ठुमरी के प्रस्तुतिकरण के रिकॉर्डिंग की सूची 183
परिशिष्ट 2 प्रकाशित – मुद्रित रूप में उपलब्ध ठुमरी की रचनाओं की सूची.....202
सन्दर्भ सूची (BIBLIOGRAPHY).....241

****